पुलिस सुधार आंदोलन की शुरूआत सिरसा से

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते अरिदमन जीत सिंह। *जागरण*

- पुलिस एक्ट को बदले बिना नहीं सुधरेगी देश की पुलिस

सिरसा, जागरण संवाददाता : पुलिस की कार्यशैली व कार्यप्रणाली को सुधारने के लिए मौजूदा पुलिस एक्ट में भारी भरकम बदलाव की जरूरत है। मौजूदा पुलिसिया ढांचा ब्रिटिश साम्राज्यवादी सोच व सैनिक संस्कार लिए हुए हैं।

यह बात सोमवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए पुलिस व्यवस्था में सुधार के पक्षधर और निशान के निदेशक अरिदमन जीत सिंह ने कही।

सोमवार सुबह होटल सवेरा में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अरिदमन जीत सिंह ने कहा कि बीएसएफ से रिटायर्ड होने के बाद उन्होंने सोचा कि मौजूदा पुलिस व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है। व्यवस्था में बदलाव किए बगैर किए पुलिस की खामियों को दूर करना बहुत मुश्किल है। उन्होंने कहा कि वे पुलिस व्यवस्था पर शोध भी कर रहे हैं। परंतु इसके लिए व्यापक स्तर पर जन आंदोलन की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के सिरसा से उनका शुरू से जुड़ाव रहा है इसलिए पुलिस सुधार आंदोलन की शुरूआत सिरसा से की गई है। उन्होंने कहा कि आंदोलन को सफल बनाने के लिए देश के सामाजिक संगठन, राजनीतिक दल व बुद्धिजीवी वर्गों की सहायता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हालिया घटना ने साबित कर दिया है कि पुलिस की कार्यशैली खामियों से भरी है। न्याय दिलाने के लिए उत्तरदायी पुलिस पर आए दिन अमानवीय अत्याचार में भागीदार होने का आरोप लगते रहते हैं। अरिदमन का कहना है कि इन सबके पीछे पुलिस एक्ट व व्यवस्था में व्याप्त कमियां है। यदि समय रहते इसमें बदलवा नहीं हुआ तो रूचिका गिरहोत्रा, प्रियदर्शनी मट्टू, जेसिका लाल व निठारी कांड जैसी अनेकों घटनाएं घटित होती रहेगी। उन्होंने कहा कि आईपीएस अधिकारियों की नियुक्ति शुरू में कांस्टेबल स्तर पर होनी चाहिए।

इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए उन्होंने निशान संस्था से जुड़े युनाइटेड किंगडम की एडवोकेट मनीषा सिंह व पूर्व पुलिस अधिकारी मलिशा गोर्डन के साथ-साथ ऊर्जा संस्था से जुड़े युवकों का सहयोग ले रहे हैं। मनीषा व मलिशा गोर्डन भी कहना है कि भारतीय पुलिस व्यवस्था में बदलाव की जरूरत है। इसमें बदलाव किए बगैर पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार करना नामुमकिन है। प्रेस वार्ता में ऊर्जा संस्था से जुड़े रोशन सुचान, सुरजीत सिंह नेहरा, कविता जिंदल व विक्रांत सिंह राठी ने भी निशान के जन आंदोलन को सफल बनाने की बात कही।